खबर संक्षेप

अभिषेक शर्मा बने जिला अध्यक्ष

नारायणगंज। नारायणगंज की ग्राम पंचायत पड़रिया के सचिव अभिषेक शर्मा उर्फ जानू को मध्यप्रदेश सचिव संघ का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है संगठन से सर्वसम्मति से यह जिम्मेदारी अभिषेक शर्मा को दी गई है नव निर्वाचित जिला अध्यक्ष ने भी संगठन को मजबूत और सचिव के मुद्दों पर एकजुट होकर प्रयास करने का आश्वासन दिया गया जिला अध्यक्ष बनने पर सचिव संघ ने बधाई दी।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर निकली रैली

मण्डला। भारत सरकार के नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सामाजिक न्याय विभाग द्वारा जनजागरूकता रैली एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ योजना भवन मण्डला से मुख्य अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा नशामुक्ति के नारों के साथ किया गया। इसके पश्चात रैली लालीपुर चौराहा, चिलमन चौक होते हुए नगरपालिका परिषद मण्डला पहुंची। रैली में शामिल प्रतिभागियों ने हाथों में तख्तियाँ एवं बैनर लेकर तंबाकू छोड़ो दृढ़निश्चय, जीवन जोड़ो, नशा मुक्त भारत, स्वस्थ भारत तथा स्वास्थ्य है अनमोल धन जैसे प्रेरणादायी नारों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया।

आकस्मिक निरीक्षण में उजागर हुईं व्यवस्थागत कमियाँ

छात्राओं की शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने के निर्देश

* छात्राओं की संख्या की तुलना में अपर्याप्त शौचालय।

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जनजातीय कार्य विभाग मंडला के क्षेत्र संयोजक विष्णु कुमार सिंगौर द्वारा 30 मई को नारायणगंज विकासखंड अंतर्गत संचालित छात्रावास एवं आश्रम संस्थाओं का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान छात्र-छात्राओं की उपस्थिति, शैक्षणिक गतिविधियों, भोजन व्यवस्था, स्वच्छता तथा आधारभूत सुविधाओं का जायजा लिया गया। रानी दुर्गावती उत्कृष्ट कन्या छात्रावास एवं कन्या आश्रम, नारायणगंज में निरीक्षण के दौरान उत्कृष्ट कन्या छात्रावास में 18 तथा कन्या आश्रम में 28 छात्राएं उपस्थित मिलीं। छात्राओं की उपस्थिति अपेक्षाकृत कम पाए जाने पर अधीक्षिका को उपस्थिति बढ़ाने के लिए आवश्यक प्रयास करने के निर्देश दिए गए।

छात्रावास में भौतिकी, अंग्रेजी एवं जीवविज्ञान विषयों की कोचिंग कक्षाएं संचालित होती मिलीं। कक्षा 12वीं की जीवविज्ञान संकाय की छात्राओं से भौतिकी विषय के "कूलाम्ब का नियम" पर चर्चा की गई, जिसमें छात्राओं का शैक्षणिक स्तर अपेक्षित नहीं पाया गया। इस पर विषय को विस्तार से समझाया गया तथा अधीक्षिका को विषय शिक्षक एवं प्राचार्य के साथ समन्वय कर अध्ययन-अध्यापन की गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उत्कृष्ट कन्या छात्रावास एवं कन्या आश्रम एक ही परिसर में संचालित होने के कारण छात्राओं की संख्या की तुलना में शौचालयों की संख्या अपर्याप्त पाई गई।

शंकर शाह, रघुनाथ शाह बैगा आश्रम, मझगांव के निरीक्षण के दौरान संस्था में छात्रों की उपस्थिति शून्य पाई गई। पेयजल व्यवस्था के लिए स्थापित बोरवेल की मशीन फंस जाने के कारण जलापूर्ति बाधित मिली। साथ ही शौचालयों एवं स्नान कक्षों में साफ-सफाई का अभाव देखा गया। भवन की खिड़कियों के पल्ले तथा शौचालय एवं स्नान कक्षों के दरवाजे मरम्मत योग्य स्थिति में पाए गए।

संस्था प्रभारी को निर्देशित किया गया कि बोरवेल की शीघ्र मरम्मत कर पेयजल व्यवस्था बहाल की जाए तथा शौचालयों, स्नान कक्षों एवं भवन की आवश्यक मरम्मत कार्य पूर्ण कर एक सप्ताह के भीतर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। निरीक्षण के दौरान संस्थाओं में शैक्षणिक गुणवत्ता, स्वच्छता एवं आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष जोर दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा टीईटी अनिवार्यता संबंधी फैसले पर ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन का बयान

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने अंजुमन इशात-ए-तालीम ट्रस्ट मामले में दायर समीक्षा याचिकाओं (Review Petitions) पर फैसला सुनाते हुए सेवा में कार्यरत शिक्षकों (In-service Teachers) के लिए टी ई टी अर्थात टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट पास करना अनिवार्य रखा है। हालांकि कोर्ट ने शिक्षकों को कुछ राहत देते हुए टी ई टी उत्तीर्ण करने की समय सीमा को 2 वर्ष से बढ़ाकर 3 वर्ष कर दी है और नई अंतिम तिथि 31 अगस्त 2028 निर्धारित की है। ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन इस आदेश की गंभीर समीक्षा कर रहा है।

एसोसिएशन का मानना है कि पुराने शिक्षकों पर टी ई टी की अनिवार्यता उनके सेवा अधिकारों के साथ अन्यायपूर्ण है। हम इस फैसले को पूरी तरह स्वीकार नहीं करते हैं।

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा इस निर्णय के विरुद्ध विधायिका (संसद) द्वारा आर टी ई एक्ट में संशोधन कराने हेतु सड़क से लेकर संसद तक हर संभव प्रयास करेगा। साथ ही, इस निर्णय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में क्यूरेटिव याचिका दायर करने के साथ-साथ अन्य सभी संभव न्यायिक उपायों (Judicial Remedies) से भी लड़ाई लड़ेगा। हमारा उद्देश्य केवल शिक्षकों के हितों की रक्षा करना ही नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था को भी न्यायपूर्ण और व्यावहारिक बनाना है।

महाराजपुर पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध उत्खनन पर मारा छापा

मण्डला। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशन में जिले में अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत महाराजपुर पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की है। टीम ने ग्राम मालीमोहगांव, खापाकला, धौरानाला और मोहनटोला में दबिश देकर अवैध मुरम उत्खनन (खनन) के खिलाफ कार्रवाई की। प्राप्त जानकारी के अनुसार महाराजपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम मालीमोहगांव, खापाकला, धौरानाला और मोहनटोला के ग्रामीण व वन क्षेत्रों में बिना किसी वैध अनुमति के धड़ल्ले से मुरम का अवैध उत्खनन किया जा रहा है। संयुक्त टीम की कार्रवाई के दौरान मौके पर अवैध रूप से मुरम का उत्खनन और परिवहन करते वाहनों पर कार्यवाही की गई। इस दौरान नायब तहसीलदार श्री रामसिंह उलाड़ी, उप निरीक्षक सहित पुलिस बल मौजूद थे।

मंडला के मनेरी जंगल में मिला अज्ञात शव

मण्डला। मंडला जिले के मनेरी औद्योगिक क्षेत्र के पास ग्राम खेरानी के जंगल में शनिवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। सूचना पर मनेरी पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतक की पहचान करने की कोशिश कर रही है। पुलिस के अनुसार, शव जंगल के एक ऐसे सुनसान रास्ते पर मिला जहां लोगों का आना-जाना बहुत कम रहता है। शव से दुर्गंध आ रही थी और चेहरा काफी हद तक खराब हो चुका था, जिससे मृतक की शिनाख्त करना मुश्किल हो गया है। शुरुआती जांच में पुलिस का अनुमान है कि यह शव करीब तीन से चार दिन पुराना है।

व्यक्ति के जीवन में सुख आते ही, सबसे पहले ईश्वर को भूल जाते

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

ग्राम नेवसा में चल रही सप्ताह श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर पूज्य महाराज श्री आचार्य मिथिलेश मिश्रा जी ने समस्त श्रद्धालुओं को बताया कि 7 दिन में जन्म मृत्यु दोनों हुई होनी है,आठवां दिन किसी का नहीं बना, साथ ही बताया कि व्यक्ति के अच्छे दिन के संकेत घर में संत ब्राह्मणों का आगमन होना, घर के सामने गाय आ जाए, छोटी बच्चे आने लगे, सौभाग्यवती माताएं बहने कलश लेकर निकल जाएं, ब्राह्मण विद्यार्थी वेद लेकर निकले यह अच्छे समय के संकेत है, किंतु व्यक्ति के जीवन में सुख आते ही, सबसे पहले आदमी ईश्वर को ही भूल जाता है, भक्तों से निवेदन करते हुए श्री आचार्य जी ने कहा कि आप लोग सनत ब्राह्मण सेवा करें, कथा के क्रम में शिव विवाह की सुंदर झांकी एवं अद्भुत श्रृंगार किया, श्रृंगार के साथ ही श्रृंगार के सिद्धांत की व्याख्या किया, संपूर्ण विवाह के साथ ही ध्रुव चरित र प्रथु चरित्र, प्रियव्रत अग्निद्र नाभि ऋषभदेव, भारत के तीन जनो की कथा खगोल भूगोल पटल ज्योतिष शिशु मार्ग चक्र नरक वर्णन अजामिल चरित्र भागवत की कथा एवं प्रहलाद चरित्र मानव जीवन के चार आश्रम का वर्णन,त्रिपुर दाह एवं गज ग्रह की कथा फिर समुद्र मंथन 52 अवतार एवं सूर्यवंश वंशावली रामजन्म एवं कृष्ण जन्म की कथाएं सुनाएं, श्री कृष्ण जन्मोत्सव के दौरान सैकड़ो की संख्या में महिला एवं पुरुष भक्त भाव बिभोर होकर झूमते नजर आये,आज छठवें दिन की कथा में पूज्य महाराज श्री ने कहा मां मंदिर है और प्रेम पूजा है अगर हृदय में परमात्मा बैठा है तो हम लोग हृदय को परमात्मा में नहीं बना पाए वैसे ही एक लोहे की पेटी में पारसमणी रखी है लेकिन वह पटी सोने की नहीं बना पाए गलती किसकी हमारी और आपकी और साथ ही महाराज जी ने बताया कि संसार दौलत के पीछे भाग रहा है लेकिन ना तो व्यक्ति दौलत कम पता ना रिश्ते बचा पाता ना परिवार को टाइम दे पाता महाराज जी ने बताया दो दिन की जिंदगी हे हंसी खुशी से जियो पता नहीं कब क्या हो जाय महाराज जी ने जीवन की सच्ची ओर अंतिम सत्य मौत ओर श्मशान बताया और साथ ही कथा रस उत्सव एवं गोवर्धन पूजन कंश वध गोपी उद्धव सम्बन्ध समझते हुए पूरा पंडाल भावुक हो गया प्रेम क्या होता ये महाराज जी ने बताया ओर साथ ही कहा जहां प्रेम नहीं ओह परमात्मा नहीं है अगर वास्तविक प्रेम देखना चाहते हो तो वृंदावन में देखना ओर रुक्मिणी मंगल की कथा महाराज जी ने गई समस्त भक्तों ने खूब आनंद लिया, भारी गर्मी के दौरान ग्राम नेवसा सहित आसपास के सैकड़ो की संख्या में भक्तगण कथा स्थल पहुंच रहे हैं। कथा आयोजक समस्त राजपूत परिवार नेवासा टीकाराम राम, रोहन, मोहन, जीवन सिंह,राजेंद्रसिंह, उपेंद्र सिंह, एवं समस्त राजपूत परिवार के द्वारा ठंडा जल, मीठा जल की लगातार भक्तगणों के लिए व्यवस्था की गई है।

मंडला में NH-30 पर खड़े ट्रॉला से टकराई बाइक, युवक की मौत

* बाइक में पेट्रोल डलवाने जा रहा था युवक।

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला जिले के हिरदेनगर चौकी क्षेत्र में मंडला-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर शनिवार देर रात सड़क हादसा हो गया। पदमी गांव में राजस्थान ढाबे के पास खड़े ट्रॉला से बाइक टकरा गई, जिससे बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान 24 वर्षीय पंकज उइके के रूप में हुई है। वे ग्राम मुरूमखाफ निवासी पुरषोत्तम उइके के पुत्र थे। हादसे की सूचना मिलने पर हिरदेनगर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, युवक पेट्रोल डलवाने के लिए जा रहा था। इसी दौरान सड़क किनारे खड़े ट्रॉला से उसकी बाइक की सीधी टक्कर हो गई, जिससे यह दुर्घटना हुई।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है और पुलिस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

जनजागृति | विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन।

तंबाकू नियंत्रण कानूनों की दी गई जानकारी

* शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों का विक्रय प्रतिबंधित।

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत जिलेभर में जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन एवं युवाओं को तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना रहा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्रीमती डी.जे. मोहंती के मार्गदर्शन में 25 मई से 31 मई तक "नो टोबैको सप्ताह" के तहत स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य विभागों के समन्वय से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं।

जिला नोडल अधिकारी डॉ. रानी मरावी ने राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम एवं भारतीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक वर्ष लगभग 13 से 14 लाख लोगों की मृत्यु तंबाकू उत्पादों के सेवन से होती है। उन्होंने सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम-2003 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान प्रतिबंधित है तथा उल्लंघन करने पर 200 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन, प्रायोजन एवं प्रचार-प्रसार पर प्रतिबंध है। 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों को तंबाकू उत्पाद बेचना अथवा उनके द्वारा खरीदना कानूनन अपराध है। साथ ही शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों का विक्रय प्रतिबंधित है। तंबाकू उत्पादों पर चित्रमय स्वास्थ्य चेतावनी प्रदर्शित करना भी अनिवार्य है।

डॉ. मरावी ने बताया कि भारत सरकार द्वारा तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान के दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिनके प्रभावी क्रियान्वयन से विद्यालयों एवं महाविद्यालयों को तंबाकू मुक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य में हुक्का बारों का संचालन प्रतिबंधित है तथा इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट पर भी पूर्ण प्रतिबंध लागू है। जिला चिकित्सालय में संचालित तंबाकू निषेध परामर्श केंद्र (टीसीसी) में तंबाकू सेवन छोड़ने के इच्छुक व्यक्तियों को निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एनआरटी) उपलब्ध कराई जाती है तथा विशेषज्ञों द्वारा परामर्श एवं काउंसलिंग भी की जाती है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार तंबाकू नियंत्रण कानून की धाराओं का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों से तंबाकू सेवन से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया गया।

मोबाइल चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, 6 मोबाइल फोन बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा एसडीओपी मंडला के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा मोबाइल चोरी की घटनाओं का सफल खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 06 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। मंडला जिले के थाना कोतवाली क्षेत्र में बीते कुछ दिनों से रात्रि के समय घरों के खुले दरवाजों से मोबाइल चोरी की घटनाएं सामने आ रही थीं। प्राप्त शिकायतों के आधार पर थाना कोतवाली पुलिस द्वारा सघन पतासाजी एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की गई।

दौराने पतासाजी पुलिस टीम ने एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपी मयंक श्रीवास पिता भद्दूलाल श्रीवास, निवासी चिरईडोंगरी, तहसील बम्हनी, हाल निवासी स्वामी सीताराम वार्ड, मंडला ने रात्रि में लोगों के घरों के खुले दरवाजों से अंदर प्रवेश कर मोबाइल फोन चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी के कब्जे से कुल 06 नग मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली में संबंधित धाराओं के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

पुलिस द्वारा आरोपी से अन्य चोरी की घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है, जिससे अन्य मामलों के खुलासे की संभावना है। आरोपी में- मयंक श्रीवास पिता भद्दूलाल निवासी चिरईडोंगरी तहसील बम्हनी हाल निवास स्वामी सीता राम वार्ड मंडला शामिल रहे।

पुलिस की अपील है कि मंडला पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि रात्रि में सोते समय अपने घरों के दरवाजे एवं खिड़कियां अच्छी तरह बंद रखें तथा मोबाइल फोन एवं अन्य कीमती सामान सुरक्षित स्थान पर रखें।

इस कार्रवाई में एसडीओपी मंडला श्री पीयूष मिश्रा के नेतृत्व में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शफीक खान, सउनि भुवनेश्वर वामनकर, वंदना नाग, प्रधान आरक्षक मोहन कुडापे, आरक्षक रमेश, प्रियांश, मृदुल एवं यमुना तथा साइबर सेल से पुनीत, धीरेन्द्र एवं मधुर की सराहनीय भूमिका रही।

खबर संक्षेप

गांव की सड़कों पर फैल रहा नालियों के गंदे पानी सहित कीचड़ का साम्राज्य, कैसे सफल हो पायेगा सरकार का स्वच्छता अभियान?

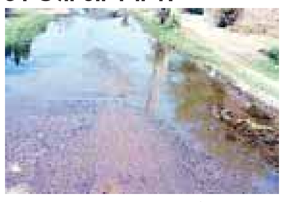

हरिभूमि न्यूज/नांदनेर। जहां एक ओर शासन द्वारा लोगों को स्वच्छता का पाठ पढ़ाते हुए गांव गांवो पक्के शौचालयों का निर्माण कराया है वही दूसरी ओर सारी दुनियाँ में कोहराम मचाने वाले कोरोना वायरस से जंग लडने के बाद अब नई नई बीमारियाँ जन्म लेते हुये देखी जा रही है? मगर वही दूसरी ओर गांवों की सड़को पर जिस प्रकार से बह रहे गंदे पानी के कारण गांवों में गंदगी का आलम देखने मिल रहा है उसके चलते शासन द्वारा चलाई जा रही स्वच्छता की मुहिम को पंचायत द्वारा ग्रहण लगाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। इस सच्चाई को देखते हुए लोग यह बात कहने से नही चूक रहे है कि सिर्फ शौचालय बनवाने से क्या स्वच्छ भारत का सपना पूरा हो जायेगा? इस बात की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत आमगांव छोटा में देखने मिल रही है जहां पर गांव की मुख्य सड़कों पर जिस प्रकार से कीचड़ का साम्राज्य फैला हुआ है उसको देखते हुये जहां पंचायत की कार्य प्रणाली उजागर होने से नही चूक पा रही है। वही दूसरी ओर ग्रामवासियों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये भी देखा जा रहा है। बताया जाता है कि इन दिनों गांव के मुख्य मार्ग में गंदगी, कीचड़ व्याप्त होने से लोगों को आवागमन में असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इस प्रकार से गांव के मुख्य सड़क पर बह रहा नालियों का गंदा पानी सहित कीचड़ का साम्राज्य होने कारण आमजन को निकलना मुश्किल हो रहा है, जिसके चलते ग्रामवासियों का कहना है कि गांव में कीचड़ व्याप्त होने की समस्या से पूर्व में ग्राम पंचायत को कई बार अवगत कराया गया किंतु पंचायत ने अभी तक इस समस्या को हल कराने में रूचि नही दिखाई, जिसका नतीजा है कि ग्रामवासियों को वर्तमान में कीचड़ युक्त रास्तों पर चलने मजबूर होना पड़ रहा है। वही दूसरी ओर इस प्रकार से मुख्य मार्ग पर गंदा पानी भरा रहने के कारण अनेक प्रकार के मच्छर भी जन्म ले रहे है, जिसके चलते बीमारियाँ फैलने की संभावना से भी इंकार नही किया जा सकता है। क्योंकि जहां एक ओर इस समय पड़ रही भीषण गर्मी के चलते जिस तरह आये दिन नई नई बीमारियों की लोगों में दहशत में दिखाई पड़ रही है जिसके चलते सरकार द्वारा गांवों में अनेक प्रकार के प्रयास करते हुये लोगों को सुरक्षित रखने में जुटी हुई देखी जा रही है दूसरी ओर गांव की सड़को की इस सच्चाई निश्चित ही अनेक प्रकार के सवाल खड़े करने से नही चूक पा रही है।

सूरज की तपन से मानव जीवन से लेकर पशु पक्षी भी परेशान, पानी के लिए भटक रहे मूक पशु

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। इन दिनों भीषण गर्मी अपने शबाब पर रहने से सूर्यदेव के रौद्र रूप दिखाने से अनेक गांवों की गलियों में सन्नाटे का आलम जहां दिखाई दे रहा है वहीं धूप की चुभन के दौरान लोगों का सड़कों पर चलना दूभर हो रहा है। इस प्रकार से देखा जा रहा है कि गर्मी के तेवर तीखे होने जाने से शहर की जीवन रेखा शक्कर नदी की जल राशि समाप्त हो चुकी है और शहर का जल स्तर भी कम होने लगा है, जिसके चलते जहां मूक पशु पीने के पानी को लेकर परेशान नजर आ रहे है। वहीं दूसरी ओर पक्षियों को भी गर्मी के चलते ठंडक पाने के लिए भटकते हुए देखा जा रहा है। स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि गर्मी का असर सबसे ज्यादा उन पक्षियों पर पड़ रहा है जिसके चलते वह पानी की खोज में भटकते हुए देखे जा रहे है। हालत यह है कि गर्मी के भीषण होते जाने से दोपहर में पक्षियों की आवाज कम सुनी जा रही है और शहर का वातावरण अजीब हो गया है। गौरतलब है कि गर्मी के एकाएक बढ़ने का विपरीत असर जन स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। इस समय लगातार बढ़ती जा रही गर्मी से परेशान शहरवासियों का कहना है कि गर्मी तो अपना असर दिखाने बेताब है पर उससे पीड़ित होने वालों की सुध जिम्मेदारों द्वारा नहीं ली जा रही है, नगर के कई वार्डों में गंदगी के ढेरों अम्बारो को हटाने, चोक नालियों खोलने व नगर के अनेक वार्डों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था न होने से महौल जिस तरह प्रदूषित हो रहा है।

उमस भरी गर्मी भी नहीं रोक पाये नर्मदा भक्तों के आस्था का जुनून, ज्येष्ठ व पुरूषोत्तम माह की पूर्णिमा पर क्षेत्र के नर्मदा तटों पर उमड़ा भक्तों का सैलाब

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

सदा ही क्षेत्रवासियों को अपना आर्शीवाद प्रदान करते हुये खुशहाल बनाने वाली माँ नर्मदाजी के भक्तों द्वारा वैसे तो हर माह पूर्णिमा को आस्था की डुबकी लगाने के लिये लोग माँ नर्मदा तटों पर पहुंचते है। मगर जिस तरह बीते हुये शनिवार की रात यानि की ज्येष्ठ पूर्णिमा के मौके पर माँ नर्मदा भक्तों के बीच आस्था को जुनून देखने मिला है। वह निश्चित तौर से अनोखा था। क्योंकि इस समय पड़ रही तेज गर्मी के बीच लोगों को हलाकान करने से नही चूक रही थी। गर्मी के बीच पसीना से हलाकान होने के बाद भी हजारों की संख्या में माँ रेवा मैया के भक्त इस तरह पैदल जाते हुये देखे जा रहे थे कि मौसम की मनमानी भी उनके दिलों में पैदा हुई माँ नर्मदाजी की भक्ति की भावना को रोकने में असफल रही और इसके बाद भी माँ नर्मदा के लिये पैदल जाने वाले भक्तों की नगर की सड़को पर रात भर लाईन लगी हुई देखी गई। रात के समय इस तरह पैदल नर्मदाजी के स्नान करने जाने वाले लोगों में सिर्फ पुरुष ही नही बल्कि इस तरह छोटे छोटे छोटे बच्चे भी शामिल थें जो गाडरवारा शहर के साथ यहां से लगभग 20-25 किलो मीटर दूर से पैदल चलकर माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये ककरा घाट जा रहे थें। इस तरह शहर के बीचों बीच से निकल रहे माँ के भक्तों को पानी टंकी के पास मनोज पटेल की टीम द्वारा तो आमगांव नाका पर समाजसेवियों द्वारा चाय नास्ता के साथ सभी पैदल जा रहे भक्तों का स्वागत किया गया। इस संबंध में ग्राम मोहपानी निवासी माँ नर्मदा भक्त महिला ने चर्चा करते हुये बताया कि वह हर पूर्णिमा को पैदल चलकर नर्मदाजी के स्नान करने के लिये जाते है। इस तरह हम अपने घर से दोपहर दो बजे के लगभग पैदल निकलते है और शाम 7-8 बजे गाडरवारा पहुंच जाते है और रात भर पैदल चलते हुये सुबह 5 बजे माँ नर्मदाजी के ककरा घाट पहुंचकर स्नान करते हुये पूजन अर्चन करते है। हमे कभी भी न तो कोई थकान होती है और न ही कोई परेशानी। इसी प्रकार से पैदल नर्मदा स्नान करने जा रहे 14 वार्षिय बालिका का कहना था कि म अपने माता पिता सहित गांव के अन्य लोगों के साथ माँ नर्मदा जी के स्नान करने के लिये पैदल जाते है और इस तरह पूर्णिमा के मौके पर अनेको बार जा चुके है। मगर कभी कोई परेशानी नही हुई है। इस तरह उमस भरी तेज गर्मी के साथ आसमान पर उमड़ते हुये काले बादलों बीच नर्मदाजी के स्नानों के लिये पैदल जा रही लोगों की भीड नगर व क्षेत्र में धर्म का अनोखा प्रस्तुत करने से नही चूक रही थें। इस तरह बीते हुये शनिवार की रात नगर की सड़को पर हजारों की संख्या में माँ नर्मदा स्नान करने के लिये पैदल जाने वाले भक्तों के जत्थें रात भर निकलते हुये देखे गये तो दूसरी ओर सुबह होते ही क्षेत्र के गांवों में ट्रेक्टर ट्रालियों में सबार होकर भी हजारों लोग माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पहुंचे। इस तरह ज्यैष्ठ पूर्णिमा के मौके पर नर्मदा तटों पर उमड़े हुये हुजूम के चलते मेला जैसा दृश्य दिखाई पड़ने से नही चूक रहा था। इस तरह का हाल क्षेत्र के सिर्फ ककरा घाट का ही नही बल्कि शोकलपुर, झिकोली, थरेरी, कोठिया, घघरौला खुर्द, लिंगा खुर्द, भटेरा घाट सहित अन्य घाटों का भी देखने मिला जहां पर हजारों की संख्या में माँ नर्मदा भक्तों ने नर्मदा तटों पर पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाते हुये पूजन अर्चन करते हुये अनेक जगहों पर भगवान सत्य नारायण जी की कथा संपन्न कराई गई तो अनेक लोगों द्वारा भंडारे के आयोजन भी किये गये। इस तरह हर पूर्णिमा के मौके पर क्षेत्र के ककरा घाट सहित अन्य घाटों पर माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पैदल जाने वाले भक्तों की भीड़ की लाईने लगी रहती है। मगर इन भक्तों को उस दौरान परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है कि भीड़ के बीच से रात रात भर भारी भरकम डम्फरों की धमाचौकड़ी मजी रहती है। पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर क्षेत्र के नर्मदा तटों को पहुंचने वाले मार्गो पर एक रात के लिये इस तरह भारी वाहनो की धमाचौकड़ी पर प्रतिबंध के लिये लगातार भक्तों द्वारा मांग उठाई जाने के बाद भी जिले के जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा नजर अंदाज किये जाने से नम्रदा भक्तों की जिन्दगी को खतरा पैदा होने से नही चूक पा रहा है..? क्योंकि गाडरवारा के आलवा क्षेत्र के ग्राम सूखाखैरी, गोटीटोरिया, सिंहपुर, बारहाबड़ा, महगंवा सहित अन्य गांवों से पैदल जाने वाले नर्मदा भक्तों को देखा जाा है कि वह अपनी थकान मिटाने के लिये मुख्य रास्ते पर ही बैठ जाते है और बैठे बैठे बच्चों को नींद आने की स्थिति में वह चंद मिनिटों के लिये रास्तों पर ही सो जाते है। इस स्थिति में पूर्णिमा की रात इन भारी भरकम डम्फरों की धमाचौकड़ी किसी दिन इन माँ नर्मदाजी के भक्तों की जिन्दगी के लिये खतरा पैदा करने से नही चूक पायेगी।

घूरपुर में विकास कार्यों की आधारिशला रखते हुये बोले मंत्री सिंह, सरकार सभी वर्गों की चिंता कर उनके समग्र विकास के लिए काम कर रही है

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। प्रदेश शासन के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि सरकार सभी वर्गों की चिंता कर उनके समग्र विकास के लिए काम कर रही है। सरकार बच्चों, किसानों, युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों, श्रमिकों सहित सभी वर्गों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। नागरिकों के आवागमन के लिए गांव-गांव तक पक्की सड़कों और पुल-पुलियो का निर्माण किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री आवास योजना प्रारंभ कर गरीब परिवारों के लिए पक्के मकानों में रहने का सपना पूरा किया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण के तहत गांव-गांव में पक्के आवासों का निर्माण किया जा रहा है। मंत्री राव उदय प्रताप सिंह शनिवार को विकासखंड सांईखेड़ा के ग्राम घूरपुर में आयोजित लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम

को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती साधना स्थापक, पूर्व विधायक नरेश पाठक, मिनेन्द्र डागा, सुरेश श्रीवास्तव, मोहरकांत पटेल, भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत शर्मा, राजेश पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद थे। इस दौरान मंत्री सिंह ने आयोजित कार्यक्रम में ग्राम घूरपुर में 72 लाख 33 हजार रुपये के निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास निर्माण कार्य स्वीकृत वर्ष 2025-26 में 133 आवास निर्माण कार्यों का भूमि पूजन करते हुये कहा कि सरकार ने गरीबों के उपचार की चिंता करते हुए आयुष्मान योजना लागू की है। जिससे आयुष्मान योजना के हितग्राही 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज करा सके। इस दौरान उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने आपातकालीन चिकित्सा के लिए पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा संचालित की है। इस सेवा के माध्यम से गंभीर रूप से घायल या बीमार मरीजों को दूरदराज के क्षेत्रों से बड़े अस्पतालों में एयरलिफ्ट किया जा रहा है। जिससे मरीजों को समय पर उचित उपचार मिल सके। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत हर साल किसानों के बैंक खातों में 12 हजार रुपये अंतरित की जा रही है। सरकार बेटियों को लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ दे रही है। विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें, साईकिल, गणवेश प्रदान कर रही है। सरकार ने मुख्यमंत्री विवाह/ निकाह योजना लागू कर माता-पिता के लिए बेटियों की शादी करने की चिंता को दूर कर दिया है। उन्होंने बताया कि सरकार लाड़ली बहना योजना के तहत बहनों के बैंक खातों में प्रति माह 1500 रुपये की राशि अंतरित कर रही है। लाड़ली बहनों को त्यौहारों के अवसर पर अतिरिक्त राशि देने का काम प्रदेश सरकार ने किया है। मंत्री सिंह ने कहा कि प्रदेश के किसानों के चेहरों में प्रसन्नता है। क्योंकि प्रदेश में किसानों का गेहूं समर्थन मूल्य पर खरीदा गया है। इस दौरान उन्होंने आयोजित कार्यक्रम में शादी व अन्य कार्यक्रमों के लिए सामुदायिक भवन व गार्डन विकसित करने के लिए 40 लाख रुपये और गौशाला में तारफेसिंग के लिए 5 लाख रुपये देने की घोषणा की गई।

शहीद नगरी चीचली में लोकमाता देवी अहिल्याबाई जयंती मनाई गई

हरिभूमि न्यूज/ चीचली।

शहीद नगरी चीचली नगर परिषद चीचली में बीते हुये रविवार को अखिल भारतीय गडरिया महासभा के तत्वावधान में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 301वीं जयंती समारोह हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक एवं मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा व परिवहन मंत्री राव उदयप्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस मौके पर केबिनेट मंत्री उदयप् रताप सिंह ने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित करते हुये उपस्थित विशाल जनसमुदाय को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि माता अहिल्याबाई केवल मालवा की शासक नहीं थीं, बल्कि संपूर्ण भारत में न्याय, धर्म, सुशासन और जनसेवा की प्रतीक थीं। इस दौरान उन्होंने मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया, घाट बनवाए, कूप-तालाब खुदवाए और प्रजा को पुत्रवत स्नेह दिया। उनका जीवन आज भी नारी शक्ति, प्रशासनिक कुशलता और सामाजिक समरसता का सबसे बड़ा उदाहरण है। मंत्री ने गडरिया समाज से आह्वान किया कि माता अहिल्याबाई के आदर्शों को अपनाकर समाज को शिक्षित, संगठित और आत्मनिर्भर बनाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलकर अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। समारोह को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय गडरिया महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोती श्रीपाल ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर ने शोषित, वंचित वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ा। उनका शासनकाल स्वर्णिम युग था। समाज के युवाओं से शिक्षा और व्यापार में आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष मंडीदीप बद्री चौहान, महासभा के प्रदेश अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष, तहसील अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। नगर परिषद चीचली क्षेत्र के साथ-साथ आस पास के गांवों से भी बड़ी संख्या में समाजबंधु परिवार सहित जयंती समारोह में शामिल हुए। जयंती समारोह के दौरान स्कूली बच्चों ने लोकमाता के जीवन पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। समाज की प्रतिभाओं प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का संचालन महासभा के पदाधिकारियों ने किया। अंत में सभी ने लोकमाता के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

रोटरी क्लब द्वारा निःशुल्क कैंसर जागरूकता परीक्षण एवं निदान शिविर में अनेक मरीजों को मिला लाभ

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। समाज सेवा के लिये सदा ही आगे रहने वाले नगर के रोटरी क्लब द्वारा बीते हुये रविवार को स्थानीय महावीर भवन में सुप्रसिद्ध कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम जी रावत (प्रोफेसर, मेडीकल कॉलेज, जबलपुर) एवं उनकी टीम द्वारा विशाल कैंसर जागरूकता, निःशुल्क कैंसर परीक्षण एवं निदान शिविर का आयोजन किया गया। बताया जाता है कि इस शिविर में लगभग 72 मरीजो का स्वास्थ परीक्षण किया गया जिसमे लगभग 12 मरीजों में कैंसर के शुरुआती लक्षण पाए गये। शिविर का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप जलाकर किया गया। इस अवसर पर शिविर के मुख्य अतिथि विनीत माहेश्वरी (समाजसेवी) ने कहा कि कैंसर अत्यंत खतरनाक एवं जानलेवा बीमारी है। इस बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर का आयोजन सराहनीय कार्य है। मुख्य अतिथि दिनेश मालपानी (समाजसेवी) ने कहा कि सम्पूर्ण विश्व में कैंसर से अनेक लोग जान गवाँ चुके है। सभी लोगों को इस बीमारी के प्रति सचेत रहने की जरूरत है। डॉ श्याम रावत ने कहा कि कैंसर के शुरुआती लक्षणो की पहचान बेहद आवश्यक है। कैंसर की शुरुआत से इसका इलाज शुरू हो जाये तो अच्छा रहता है। रोटरी क्लब के असिस्टेंट गवर्नर अशोक राजपूत ने कहा कि रोटरी क्लब का उद्देश्य हमेशा से ही समाजसेवा से जुड़े कार्य करते हुए पीड़ति मानवता की सेवा करना है। उदबोधन में शिविर के असिसटेंट गवर्नर मिनेन्द्र डागा ने कहा कि रोटरी क्लब का गठन समाजसेवा के लिए ही हुआ है। क्लब द्वारा समय समय जनहित से जुड़े कार्य किये जाते रहते है। क्लब के अध्यक्ष सुरेन्द्र साहू ने शिविर की रुपरेखा से अवगत कराया। कार्यक्रम का मंच संचालन क्लब के सचिव मनोज वशा एवं अंत में आभार प्रदर्शन कोषाध्यक्ष संजय गुप्ता ने किया। शिविर के आयोजन में डॉ डी एस चौधरी, डॉ उपेंद्र वस्त्रकार, डॉ स्वाति कुरचानिया एवं सहयोगी निखिल साहू, अजय घारु, के एल धानक, अभय नीखरा सक्रिय दिखे। इसके अलावा रोटरी क्लब से राजेश गुप्ता, मनीष जायसवाल, प्रियांक सोनी, मनोज राय, विजय नायक, हर्षित वैद्य, राजीव जैन, शरद मौलासरिया, अमित पटैल, अनिल अहलुवालिया, रत्नदीप जायसवाल, वी पी त्रिपाठी, अरुण तिवारी, स्वास्थ्य समिति चेयरमैन डॉ महेश रघुवंशी, नीलेश साहू, राजेश बरसैयां, श्रीकांत राठी, राजेश शर्मा गुट्टी महाराज सहित अन्य लोग मौजूद थें।

मंत्री उदय प्रताप सिंह द्वारा धूनी नगरी सांईखेड़ावासियों को विद्युत समस्या से निपटने के लिये प्रदान की गई सौगात

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा।

क्षेत्र के विकास के साथ साथ क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के निदान में क्षेत्र के विधायक व प्रदेश के कैविनेट मंत्री राव उदय प्रताप सिंह कभी पीछे नही रहते है। क्योंकि उनका कहना है कि मेरे क्षेत्र की जनता मेरे परिवार के समान है और यदि परिवार को कोई सदस्य परेशान रहे तो यह बात कभी स्वीकार नही की जा सकती है। इसी के चलते उन्होंने दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा नगर की विद्युत व्यवस्था को मजबूत एवं सुरक्षित बनाने की दिशा में अपनी ओर से पहल करते हुये महत्वपूर्ण कार्यों का शुभारंभ किया गया है। नगर के वार्ड क्रमांक 1, 5, 8 एवं 15 में विद्युत आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए 4 नए डीपी ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही विद्युत केबल सुधारीकरण के लिए स्वीकृत 10 लाख रुपये की राशि से कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।रविवार को वार्ड स्थित खिरका मोहल्ला में नई हैवी विद्युत केबल लाइन बिछाने के कार्य का शुभारंभ किया गया। बताया जाता है कि लंबे समय से इस क्षेत्र के नागरिक बिजली के जर्जर तारों के कारण परेशान थे। क्योंकि आये दिन तार टूटने की घटनाएं होने से न केवल विद्युत आपूर्ति बाधित होती थी, बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता था। क्षेत्रवासियों द्वारा इस समस्या की शिकायत नगर परिषद एवं विद्युत विभाग से लगातार की जा रही थी। मंत्री उदय प्रताप सिंह के प्रयासों से स्वीकृत इस कार्य के शुरू होने पर नागरिकों ने राहत की सांस ली है। नए डीपी ट्रांसफार्मरों की स्थापना से संबंधित वार्डों में ओवर लोडिंग की समस्या समाप्त होगी, जिससे बार-बार होने वाले विद्युत व्यवधानों में कमी आएगी। वहीं नई हैवी केबल लाइन से विद्युत व्यवस्था अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनेगी। जानकारी के अनुसार नगर के मुख्य मार्गों एवं आवश्यकता वाले क्षेत्रों में भी चरणबद्ध तरीके से नवीन केवलीकरण का कार्य विद्युत विभाग द्वारा किया जाएगा, जिससे पूरे नगर की विद्युत व्यवस्था में व्यापक सुधार देखने को मिलेगा। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सचिन अग्रवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष कीरत सिंह पटेल, नगर परिषद सभापति एवं पार्षद ओमप्रकाश पटेल तथा भाजपा कार्यकर्त मनजीत पटेल उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि नगरवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और आगे भी विकास कार्यों की गति बनी रहेगी। क्षेत्र के नागरिकों ने माननीय मंत्री उदय प्रताप सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी तत्परता एवं जनहितैषी सोच के कारण नगर की वर्षों पुरानी बिजली संबंधी समस्याओं का स्थायी समाधान संभव हो रहा है। नागरिकों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इसी प्रकार विकास कार्यों के माध्यम से नगर को नई सौगातें मिलती रहेंगी।

गायत्री परिवार द्वारा तम्बाकू निषेध दिवस पर रैली निकालते हुये किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार से संचालित सप्तक्रांति अभियानों में नशामुक्ति अभियान को लेकर जन जागरण अभियान रैली गाडरवारा में निकाली गई । विदित हों कि तम्बाकू निषेध दिवस पर प्रदेश ही नहीं सम्पूर्ण भारत में व्यसन मुक्ति रैलियां निकाली जा रही है। इसी तारतम्य में गायत्री परिवार गाडरवारा द्वारा गायत्री शक्तिपीठ से शासकीय अस्पताल रोड होते हुए,अलका टाकीज़ रोड,इंदिरा मार्केट, शिवालय चौक, श्याम टाकीज़ होते हुये रैली निकाली गई जिसका शक्तिपीठ पर समापन हुआ। रैली में नशामुक्ति के बैनर, पोस्टर, पम्पलेट झंड़े लेकर गायत्री परिजन नशामुक्ति के नारे,गीत गाते हुए जन जागरण कर रहे थे। स्थानीय लोगों द्वारा जागरूक संदेश, नशा मुक्ति नारों के साथ,जगह जगह नशा दुष्परिणाम पर प्रज्ञा गीतों से चेतावनी की सराहना की गई।आम नागरिक भी रैली में सम्मिलित होकर गायत्री शक्तिपीठ तक पहुंचे , जहां समापन के अवसर पर विचार गोष्ठी में भाग लिया।इस अवसर पर वरिष्ठ गायत्री परिजन विनोद श्रीवास्तव,केशव पचौरी, डालचंद विश्वकर्मा, राजेश कुमार कौरव द्वारा तम्बाकू सेवन के दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला गया। साथ ही हर प्रकार के नशे से दूर रहने, अपने परिजनों, परिचितों को दूर रखने , जागरूक बनाने की अपील की गई।व्यसन मुक्ति रैली की सफलता में प्रबंध ट्रस्टी मूलचंद शर्मा, समंवयक गीता प्रसाद कौरव, सुरेन्द्र श्रीवास्तव,भरत प्रजापति,प्रतीम लाल कौरव, अखिलेश साहू, आशीष श्रीवास्तव, शिवम सोनी, दुर्गा प्रसाद कोरी, राजेन्द्र कटारे, राजू कोरी, आशीष सक्सेना, यशपाल राजपूत, श्रीमती मनोरमा श्रीवास्तव, डॉ राजेन्द्र कटारे, परिव्राजक मूलचंद पटेल, श्रीमती किरण विश्नोई, पूनम, संस्कृति का भरपूर सहयोग रहा। फोटो क्रमांक -10 रैली निकालते हुये गायत्री परिवार के सदस्य।

खबर संक्षेप

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने प्रशिक्षण संपन्न

अधिकारियों-कर्मचारियों ने लिया हिस्सा

शहपुरा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहपुरा के तत्वावधान में रविवार को शहपुरा नगर के जबलपुर रोड स्थित छाया पैलेस में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डिंडौरी के मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद हॉस्पिटल के सहयोग से किया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर संचालन, फार्मेसी प्रबंधन, हॉस्पिटल मैनेजमेंट तथा मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने आधुनिक स्वास्थ्य प्रबंधन प्रणाली, कार्यकुशलता बढ़ाने के उपाय तथा मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहपुरा के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी गई तथा उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम कर्मचारियों के ज्ञान और कौशल में वृद्धि करते हैं, जिससे स्वास्थ्य संस्थानों में बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इसे उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।

भालू के हमले से दो महिलाएं घायल

अनूपपुर। रविवार की सुबह जिला मुख्यालय से 22 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत धनगवां के पटपरिहा टोला में दो महिलाएं जो सुबह दिशा मैदान के लिए घर से कुछ दूर खेत की ओर गई रही तभी अचानक जंगल की ओर से आकर विचरण कर रहा एक भालू ने दोनों पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया घायलों में 35 वर्षीय गुड्डी पति गोरेलाल कोल के कमर में तथा 65 वर्षीय वृद्धा त्तिजिया पति रामबदन कोल के चेहरा, छाती एवं शरीर के अन्य हिस्सो पर चोट आई है। घटना के बाद ग्रामीणों के इकट्ठा होकर हो-हल्ला करने पर भालू जंगल की ओर चला गया। ग्राम पंचायत धनगवां सरपंच संजय गोठिया द्वारा मौके पर पहुंचकर दोनों घायलों को फुनगा अस्पताल भेजा है घटना की जानकारी मिलने पर जिला मुख्यालय अनूपपुर के वन्यजीव संरक्षक ने शशिधर अग्रवाल ने फुनगा के सामाजिक कार्यकर्ता नारेंद्र प्रताप सिंह एवं उमेश अग्रवाल से आग्रह करने पर दोनो समाजसेवी फुगना अस्पताल पहुंचकर दोनों घायलो की स्थिति को देखकर परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी ली अग्रवाल द्वारा उपवन मंडल अधिकारी अनूपपुर प्रकाश मनोहर राव पखाले, वन परिक्षेत्र अधिकारी कोतमा हरीश कुमार तिवारी को घटना की जानकारी देते हुए उचित कार्यवाही किए जाने की अपेक्षा की है।

अनुसुइया तालाब में किया स्वच्छता श्रमदान

बिजुरी। जल स्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियानश के तहत आज नगर पालिका परिषद बिजुरी द्वारा स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नगरीय क्षेत्र के पारंपरिक जलीय स्रोतों को सहेजना और उन्हें प्रदूषण मुक्त बनाना है। अभियान के अंतर्गत आज वार्ड क्रमांक 13 स्थित अनुसुइया तालाब में व्यापक स्तर पर साफ-सफाई का कार्य किया गया। इस दौरान तालाब परिसर और जल क्षेत्र से जलकुंभी, प्लास्टिक कचरा तथा अन्य अपशिष्ट पदार्थों को पूरी तरह साफ किया गया।

जल संरक्षण में डिंडोरी ने रचा इतिहास, देश में तीसरा और जोन में प्रथम स्थान

जनभागीदारी आधारित अभियान ने दिलाई राष्ट्रीय पहचान, लाखों जल संरचनाओं से बदली तस्वीर

डिंडोरी

मध्यप्रदेश के आदिवासी बाहुल्य और संसाधन-विहीन माने जाने वाले डिंडोरी जिले ने जल संरक्षण के क्षेत्र में ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया है, जिसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। भीषण गर्मी और जल संकट से जूझ रहे अनेक जिलों के बीच डिंडोरी ने "जलसंचय जनभागीदारी अभियान" के माध्यम से देश स्तर पर तीसरा तथा अपने जोन में प्रथम स्थान प्राप्त कर राष्ट्रीय पहचान बनाई है।इस उपलब्धि के पीछे जिला कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरी की समन्वित कार्यशैली, दूरदर्शी नेतृत्व एवं जनभागीदारी आधारित विकास मॉडल को प्रमुख कारण माना जा रहा है। दोनों अधिकारियों ने जल संरक्षण को केवल सरकारी योजना तक सीमित न रखकर जनआंदोलन का स्वरूप दिया, जिसके परिणामस्वरूप डिंडोरी आज देशभर में जल प्रबंधन के एक सफल मॉडल के रूप में स्थापित हुआ है।

डिंडोरी जिले की भौगोलिक परिस्थितियां सदैव चुनौतीपूर्ण रही हैं। जिले की मिट्टी में जल धारण क्षमता कम होने के कारण अधिकांश किसान वर्ष में एक ही फसल लेने को विवश रहे हैं। ऐसे में कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन तथा जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी के कुशल क्रियान्वयन के माध्यम से प्रशासन, पंचायतों, महिला स्व-सहायता समूहों, किसानों और आम नागरिकों को जोड़कर जल संरक्षण का व्यापक अभियान संचालित किया गया।अभियान के अंतर्गत जिले में अब तक 7 लाख 78 हजार 655 जल संरक्षण एवं जल संवर्धन संरचनाओं पर कार्य किया जा चुका है। इनमें 8,990 डगवेल रिचार्ज, 2,257 हैंडपंप रिचार्ज, 16,719 रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग, 1,72,543 कंटूर ट्रेंच, 16,312 गली प्लग, 1,922 गेबियन, 1,354 परकोलेशन टैंक, 10,012 खेत तालाब, 2,395 तालाब, 6,687 चेकडैम, 61,254 रिचार्ज पिट, 3,441 बोरी बंधान तथा 8,412 ड्रिप इरिगेशन संरचनाएं शामिल हैं।

अभियान की सबसे बड़ी विशेषता जनसहभागिता रही। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एसआरएलएम) की महिलाओं द्वारा 35 हजार पौधों पर मटका सिंचाई पद्धति अपनाई गई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 2,797 ड्रिप इरिगेशन कार्य तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा 1,945 भवनों में सोक पिट निर्माण कराया गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने 7,054 स्टैंड पोस्ट के समीप सोक पिट विकसित कर जल संरक्षण के प्रयासों को नई गति प्रदान की।एक बगिया मां के नाम अभियान के तहत लगभग 3,500 फलदार पौधों का रोपण किया गया। वहीं ग्रामीणों ने परंपरागत ज्ञान और नवाचार का उपयोग करते हुए प्लास्टिक की अनुपयोगी बोतलों तथा मटकों के माध्यम से कम लागत वाली ड्रिप सिंचाई प्रणाली विकसित की, जो आज जिले में जल संरक्षण का अभिनव उदाहरण बन चुकी है।गांव-गांव में जल चौपाल, कलश यात्राएं, नुक्कड़ नाटक और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। सरकारी भवनों में रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग एवं सोक पिट निर्माण को बढ़ावा दिया गया। स्कूलों और छात्रावासों में किचन गार्डन विकसित कर अपशिष्ट जल के पुनः उपयोग की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की रणनीतिक सोच और जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी की जमीनी स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग एवं क्रियान्वयन क्षमता ने इस अभियान को अभूतपूर्व सफलता दिलाई है। दोनों अधिकारियों के नेतृत्व में डिंडोरी ने यह साबित कर दिया है कि सीमित संसाधनों के बावजूद यदि प्रशासन और जनता एक साथ कार्य करें तो बड़े से बड़ा परिवर्तन संभव है।कभी पिछड़े और संसाधन-विहीन जिले के रूप में पहचाने जाने वाला डिंडोरी आज जल संरक्षण के क्षेत्र में देशभर के लिए प्रेरणा बन गया है। जलसंचय जनभागीदारी अभियान के माध्यम से कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया और जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी ने न केवल जिले की तस्वीर बदली है, बल्कि डिंडोरी का नाम राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित कर उसे विकास और नवाचार की नई पहचान दिलाई है।

मोहारी में गहराया पेयजल संकट, ग्रामीणों को दूसरे गांव से लाना पड़ रहा पानी

हरिभूमि न्यूज अमरपुर । जनपद पंचायत अमरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहारी के बड़े टोला में भीषण पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है। स्थिति यह है कि ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए एक किलोमीटर से अधिक दूरी तय कर दूसरे गांव से पानी लाना पड़ रहा है।ग्रामीणों के अनुसार बड़े टोला में लगाए गए अधिकांश नलकूप असफल साबित हुए हैं। इतने बड़े गांव में केवल एक कुआं ही जलापूर्ति का प्रमुख स्रोत है, जहां सुबह से लेकर देर रात तक पानी भरने के लिए लोगों की लंबी कतारें लगती हैं। कई बार घंटों इंतजार के बाद भी पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता और कुएं का जलस्तर कम होने पर लोगों को खाली बर्तन लेकर लौटना पड़ता है। ऐसे में ग्रामीणों को लखनपुर तिराहे से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में जल जीवन मिशन के तहत पिछले दो वर्षों से कार्य जारी है। योजना के अंतर्गत पाइपलाइन बिछाने का कार्य तो किया गया है, लेकिन अब तक घरों में कनेक्शन नहीं दिए गए हैं। वहीं, उच्च स्तरीय पानी टंकी का निर्माण कार्य भी अभी पूर्ण नहीं हो सका है। इससे शासन की हर घर जल पहुंचाने की योजना पर सवाल उठने लगे हैं।ग्रामीणों का आरोप है कि समस्या को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। क्षेत्र में बढ़ती जल समस्या के कारण लोगों में नाराजगी व्याप्त है।इस संबंध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अमरपुर के अध्यक्ष महेंद्र ठाकुर ने कहा कि अमरपुर विकासखंड के कई गांव आज भी पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। उनका आरोप है कि जल जीवन मिशन अपेक्षित परिणाम देने में विफल रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो कांग्रेस पार्टी ग्रामीणों के साथ सड़क पर उतरकर धरना-प्रदर्शन करेगी।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में बच्चों को दी गई आपदा प्रबंधन एवं जल सुरक्षा की जानकारी

डिंडोरी। मध्य प्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा 5 मई से 5 जून 2026 तक आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत जिले के खिलाड़ी बच्चों को खेल प्रशिक्षण के साथ-साथ विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का भी लाभ दिलाया जा रहा है। शिविर का आयोजन जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के मार्गदर्शन में किया जा रहा है, ताकि बच्चे ग्रीष्मकालीन अवकाश का सदुपयोग कर खेल गतिविधियों से जुड़ें तथा शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकें।जिला खेल प्रशिक्षक आरती सोंधिया के निर्देशन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों को नियमित खेल अभ्यास के साथ विभिन्न सामाजिक एवं सुरक्षा संबंधी कार्यक्रमों में भी शामिल कराया जा रहा है। इसी क्रम में 1 जून 2026 को नर्मदा पुल डेमघाट, डिंडोरी में होमगार्ड एवं डीएसआरएफ टीम द्वारा आपदा प्रबंधन एवं जल सुरक्षा विषयक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में संदीप परस्ते, अजय परस्ते, नीरज परस्ते एवं सतीश पुसाम ने बच्चों एवं अभिभावकों को आपदा की स्थिति में घबराने के बजाय सतर्कता एवं सुरक्षा उपाय अपनाने की जानकारी दी। साथ ही विभिन्न प्रकार की तैराकी तकनीकों, लाइफ जैकेट के सही उपयोग तथा जल दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में खिलाड़ी बच्चों एवं उनके अभिभावकों ने भाग लेकर लाभ प्राप्त किया। आयोजन में बास्केटबॉल कोच सुमन कुमार, वॉलीबॉल कोच लक्ष्मण, कराटे कोच मनीषा बैरागी, ब्लॉक समन्वयक करंजिया लक्ष्मी बनावल, राजकुमार तथा जनसंपर्क अधिकारी चेतराम अहिरवार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित शिविर में बच्चों को पर्याप्त खेल सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है तथा प्रतिदिन प्रातः 6 से 8 बजे एवं सायं 5 से 7 बजे तक विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिविर का उद्देश्य बच्चों को खेलों के प्रति प्रेरित करना, अनुशासन एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना तथा भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है।

लैंप्स जमगांव के प्रबंधक शिवभगत झारिया सेवानिवृत्त, भावभीनी विदाई

शहपुरा। डिंडोरी जिले के लैंप्स जमगांव में रविवार को संस्था के प्रबंधक शिवभगत झारिया के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरे परिसर में भावुक माहौल देखने को मिला।कार्यक्रम में लैंप्स जमगांव के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे और श्री झारिया के दीर्घ एवं सेवाभावी कार्यकाल को याद करते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।इस अवसर पर बहुजन समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रताप सिंह आर्मो भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने शिवभगत झारिया को सेवानिवृत्ति पर शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना की।समारोह में वक्ताओं ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान श्री झारिया ने किसानों एवं सहकारी संस्थान के हित में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा।कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों द्वारा उन्हें पुष्पमाला एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। विदाई समारोह में लैंप्स जमगांव सहित विभाग के अनेक कर्मचारी एवं गणमान्यजन मौजूद रहे।

मालपुर नर्मदा घाट में मछुआरा समाज ने मानव अधिकार आयोग के सदस्य के समक्ष रखीं समस्याएं

शहपुरा - मालपुर नर्मदा घाट में नर्मदा नदी के किनारे निवासरत मछुआरा समुदाय की समस्याओं एवं उनके साथ हो रहे कथित अन्याय को लेकर राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो के समक्ष विस्तृत शिकायत प्रस्तुत की गई। मध्य प्रदेश माझी जनजाति संयुक्त संघर्ष समिति, डिंडौरी के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में मछुआरा समाज के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान समाज के लोगों ने बताया कि मत्स्याखेट एवं मछली पालन से जुड़े कार्यों में स्थानीय मछुआरा समुदाय की लगातार उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मछली पकड़ने के ठेके बाहरी समुदाय के लोगों को दिए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय मछुआरे अपने पारंपरिक रोजगार से वंचित हो रहे हैं। समिति की महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती पार्वती बाई बरमैया ने आयोग के सदस्य को बताया कि जलाशयों में मछली बीज डालने की प्रक्रिया में मछुआरा समाज के प्रतिनिधियों को शामिल नहीं किया जाता। इसके कारण पर्याप्त मात्रा में बीज नहीं डाले जाने से मछली उत्पादन प्रभावित हो रहा है और समाज के लोगों की आय में लगातार कमी आ रही है। रोजगार के अभाव में कई परिवारों को पलायन कर अन्य क्षेत्रों में मजदूरी करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शासन द्वारा जाल एवं नाव खरीदने के लिए दिए जाने वाले अनुदान का लाभ सभी पात्र सदस्यों तक नहीं पहुंच रहा है। अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कथित मिलीभगत से केवल कुछ चुनिंदा लोगों को ही लाभ दिया जाता है, जबकि अधिकांश मछुआरे इससे वंचित रह जाते हैं।मछली शिकार पर प्रतिबंध अवधि के दौरान केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली लगभग 4500 रुपये की आर्थिक सहायता भी सभी पात्र हितग्राहियों को नहीं मिलने की शिकायत समाज के लोगों ने आयोग के सदस्य के समक्ष रखी। इस अवसर पर मिथिलेश वरमैया, नारायण वरमैया, सुंदरलाल बर्मन, संदीप बर्मन एवं पहलाद नंदा सहित अन्य वक्ताओं ने भी मछुआरा समुदाय की समस्याओं और मांगों से मानव अधिकार आयोग को अवगत कराया। मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने उपस्थित लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा एक-एक मछुआरे से चर्चा की। उन्होंने आश्वासन दिया कि नियमों के अनुरूप समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा की जाएगी तथा समाज के लोगों को आगामी 1 जून को आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित रहने का आग्रह किया। कार्यक्रम के अंत में मछुआरा समुदाय के लोगों ने कहा कि पहली बार उनकी समस्याओं को सुनने और समझने के लिए मानव अधिकार आयोग का प्रतिनिधित्व उनके बीच पहुंचा है, जिससे समाज में न्याय मिलने की उम्मीद जगी है।

पंचायतों में मटेरियल सप्लाई को लेकर उठे सवाल, स्थानीय व्यापारियों ने जताई नाराजगी

शहपुरा। जिले की शहपुरा एवं मेंहदवानी जनपद पंचायतों के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों के लिए की जा रही मटेरियल सप्लाई व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। क्षेत्र के स्थानीय व्यापारियों एवं ग्रामीणों का आरोप है कि कई पंचायतों में निर्माण कार्यों के लिए सामग्री खरीदी के दौरान नियमानुसार निविदा प्रक्रिया का पालन नहीं किया जा रहा है।जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत स्तर से समय-समय पर ग्राम पंचायतों को मटेरियल सप्लाई एवं अन्य कार्यों के लिए निविदा प्रकाशित कर पारदर्शी प्रक्रिया अपनाने के निर्देश दिए जाते हैं। इसके बावजूद स्थानीय लोगों का दावा है कि अधिकांश पंचायतों में निविदा संबंधी सूचनाएं सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आतीं, जिससे अन्य इच्छुक सप्लायरों को जानकारी नहीं मिल पाती।

ग्रामीणों का कहना है कि पंचायतों में सीसी रोड, नाली, पुलिया, पंचायत भवन, सामुदायिक भवन सहित विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए बड़ी मात्रा में सामग्री खरीदी जाती है, लेकिन कई मामलों में यह स्पष्ट नहीं हो पाता कि सामग्री खरीदी की प्रक्रिया किस प्रकार संपन्न हुई और कितने आपूर्तिकर्ताओं ने इसमें भाग लिया।स्थानीय व्यापारियों का आरोप है कि यदि निविदा संबंधी जानकारी समय पर सार्वजनिक की जाए तो अधिक संख्या में पंजीकृत सप्लायर प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं। उनका कहना है कि वर्तमान व्यवस्था में अधिकांश लोगों को यह जानकारी ही नहीं मिल पाती कि किस पंचायत में कब और किस कार्य के लिए सामग्री खरीदी जानी है।क्षेत्र में यह चर्चा भी है कि कुछ पंचायतों में सीमित लोगों को ही सामग्री आपूर्ति का अवसर मिल रहा है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसके बावजूद मामले को लेकर ग्रामीणों और व्यापारियों के बीच लगातार चर्चा बनी हुई है।स्थानीय नागरिकों ने पंचायतों में मटेरियल सप्लाई से जुड़ी प्रक्रियाओं में अधिक पारदर्शिता लाने की आवश्यकता जताई है। वहीं अब इस पूरे मामले को लेकर लोगों की निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र में किसानों ने सामूहिक रूप से सुना 'मन की बात' कार्यक्रम

प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण और ई-टोकन व्यवस्था पर दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

डिंडौरी। कृषि विज्ञान केंद्र डिंडौरी में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण किया गया। कार्यक्रम में कृषि विभाग, आत्मा परियोजना एवं कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारियों के साथ जिले के प्रगतिशील किसानों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की।इस अवसर पर उपसंचालक कृषि संजय दोशी, परियोजना संचालक आत्मा आर.पी. नायक, अनुविभागीय कृषि अधिकारी कृष्णा सिंह चौहान, कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक सहित कृषि एवं आत्मा परियोजना के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा कृषि नवाचार, प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण, ग्रामीण विकास एवं किसानों के सशक्तिकरण से जुड़े विषयों पर व्यक्त विचारों को किसानों एवं अधिकारियों ने गंभीरता से सुना। सामूहिक श्रवण के बाद कृषि अधिकारियों ने किसानों को शासन की विभिन्न कृषि हितैषी योजनाओं तथा उनसे मिलने वाले लाभों की जानकारी दी।खरीफ सीजन को देखते हुए किसानों को ई-टोकन व्यवस्था के संबंध में भी विस्तार से अवगत कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि समय पर पंजीयन कर ई-टोकन प्राप्त करने से किसानों को उर्वरक वितरण केंद्रों से निर्धारित समय पर पारदर्शी एवं सुगम प्रक्रिया के माध्यम से खाद उपलब्ध हो सकेगी। साथ ही ई-टोकन प्रणाली के लाभ, पंजीयन प्रक्रिया एवं उर्वरक वितरण व्यवस्था की विस्तृत जानकारी भी साझा की गई।कार्यक्रम के दौरान किसानों की समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान किया गया तथा उन्हें कृषि विभाग की योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने किसानों से आधुनिक तकनीकों के साथ प्राकृतिक खेती को अपनाने और कृषि क्षेत्र में नवाचारों का उपयोग बढ़ाने का आह्वान किया।

मानिकपुर में किसानों ने सुना प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम

शहपुरा – भारतीय जनता पार्टी मंडल मानिकपुर के अंतर्गत भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष घनश्याम कुछवाहा की उपस्थिति में रविवार को सोसायटी (बी-पैक्स) मानिकपुर में किसानों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण किया गया।कार्यक्रम में उपस्थित किसानों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री द्वारा देश के विकास, कृषि क्षेत्र में नवाचार, आत्मनिर्भर भारत, पर्यावरण संरक्षण तथा समाज हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर साझा किए गए विचारों को ध्यानपूर्वक सुना। वक्ताओं ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम समाज के विभिन्न वर्गों को प्रेरित करने के साथ-साथ जनभागीदारी को भी मजबूत करता है। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष हिरेंद्र सिंह, मंडल उपाध्यक्ष हरीश जित्तू राय, वरिष्ठ नेता उत्तमचंद असाटी, राजेंद्र झारिया, संदीप गौलिया, विश्वनाथ झारिया, कन्हैया बागवान, गुलाब झारिया सहित बड़ी संख्या में कृषक बंधु एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मानिकपुर बी-पैक्स सोसायटी में किसानों एवं कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम का श्रवण करते भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारी।

अवैध मुरुम उत्खनन पर खनिज विभाग की कार्रवाई, जेसीबी जब्त

डिंडौरी। जिला कलेक्टर अंजु पवन भदौरिया के निर्देशन में जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार 31 मई 2026 को खनिज विभाग की टीम ने ग्राम छांटा बैगानटोला, तहसील एवं थाना क्षेत्र डिंडौरी में कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से मुरुम उत्खनन में संलग्न एक जेसीबी मशीन को जब्त किया खनिज विभाग की जांच में जेसीबी क्रमांक **MP52DA0254** को बिना वैधानिक अनुमति के मुरुम का उत्खनन करते पाया गया। कार्रवाई के दौरान वाहन चालक की पहचान रामचरण मरावी, पिता मदन सिंह मरावी, निवासी देवरी समनापुर, तहसील एवं जिला डिंडौरी के रूप में हुई। वहीं वाहन स्वामी ठाकुर सिंह निवासी देवरी समनापुर बताए गए हैं।जब्त जेसीबी को सुरक्षार्थ पुलिस थाना कोतवाली डिंडौरी में खड़ा कराया गया है। खनिज विभाग द्वारा वाहन के विरुद्ध खनिज नियमों के प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज कर आगामी वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। संबंधित प्रकरण को न्यायालय कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

खबर संक्षेप

रास्ता और शमशान घाट से हटाया अतिक्रमण

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में गाडरवारा तहसील के ग्राम खुरशुरू में शासकीय रास्ता और शमशान की भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही राजस्व विभाग के अमले के द्वारा की गई। ग्राम खुरशुरू के शासकीय रास्ते पर अवैध रूप से अतिरिक्त दीवाल एवं शौचालय बनाकर अतिक्रमण किया गया था, जिसे हटाकर रास्ता खाली करवाया गया। इसके अलावा ग्राम में स्थित शमशान की भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाकर रास्ता खुलवाया गया। इस दौरान नायब तहसीलदार सुश्री चंदन तिवारी सहित राजस्व विभाग का अमला मौजूद थे।

अवैध रेत परिवहन करने पर ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त

नरसिंहपुर। प्रभारी अधिकारी खनिज शाखा नरसिंहपुर ने बताया कि 13 अप्रैल 2026 को खनिज विभाग की जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भण्डारण की रोकथाम के लिए के लिए संयुक्त निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को खनिज विभाग द्वारा एक ट्रेक्टर ट्रॉली खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुए पाये जाने पर प्रकरण तैयार कर वाहन को पुलिस चौकी बरमान की अभिरक्षा में रखा गया है।

नेशनवाइड मेगा एग्रीकल्चर क्रेडिट आउटरीच कैंप का आयोजन 6 को

नरसिंहपुर। अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) नरसिंहपुर विकास पंवार ने बताया कि आगामी 6 जून को नरसिंहपुर में नेशनवाइड मेगा एग्रीकल्चर क्रेडिट आउटरीच कैंप का आयोजन सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा किया जाएगा। जिले के किसानों, कृषि उद्यमियों और ग्रामीण स्वरोजगार से जुड़े हितग्राहियों को कृषि एवं उससे संबद्ध गतिविधियों के लिए विभिन्न ऋण योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की 13 शाखाओं के माध्यम से किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), पशुपालन, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, स्वसहायता समूह (एसएचजी), खाद्य प्रसंस्करण, ग्रामीण भंडारण तथा कृषि व्यवसाय से संबधित ऋणों की स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया संचालित की जाएगी। यह कार्यक्रम किसानों एवं ग्रामीण उद्यमियों को संस्थागत वित्त उपलब्ध कराने और कृषि क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। शिविर के दौरान पात्र आवेदकों को विभिन्न बैंकिंग योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी। ऋण संबंधी मार्गदर्शन और परामर्श भी दिया जाएगा। उन्होंने सभी किसानों, पशुपालकों, स्वसहायता समूह तथा कृषि आधारित उद्यमों से जुड़े व्यक्तियों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में आकर वित्तीय सुविधाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन कृषि विकास, ग्रामीण उद्यमिता एवं वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा।

केरियर मार्गदर्शन की जरूरत

तेंदूखेड़ा। विगत दिनों हायर सेकंडरी और हाईस्कूल के परीक्षा परिणाम घोषित हो चूके हैं। हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके छात्रों को आगे हायर सेकंडरी स्कूल में दाखिला लेने से पहले उनकी रुचि और योग्यता के अनुसार कौन सा विषय उपयुक्त रहेगा और जो छात्र हायर सेकंडरी स्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं उन्हें बाहर जाकर किस विषय से कोचिंग या मार्ग दर्शन लेकर आगे क्या करना चाहिए इस विषय को लेकर उचित मार्गदर्शन की दिशा में तेंदूखेड़ा में एक बहुत अभाव बना हुआ है। चूंकि पढ़ें लिखे परिवारों के छात्र तो उनके पाल्यों से मार्गदर्शन या उनके सोर्सों का लाभ लेकर बाहर चले जाते हैं। लेकिन निर्धन परिवारों के छात्र जो कि बाहर भेजने में सक्षम नहीं है वह स्थानीय कालेजों में ही दाखिला लेकर भटक जातें हैं।या फिर कहीं भी प्राइवेट क्षेत्र में काम में लग जातें हैं।ऐसी स्थिति में तेंदूखेड़ा तहसील मुख्यालय पर एक तहसील स्तरीय केरियर मार्गदर्शन की नितांत आवश्यकता है। चूंकि जिला स्तर या अन्य स्थानों पर तो यह व्यवस्था मिल जाती है लेकिन तेंदूखेड़ा क्षेत्र में इस विषय का अभाव शुरू से ही बना हुआ है। तेंदूखेड़ा क्षेत्र से बहुत से छात्र छात्राएं है जो शासकीय स्कूलों या प्राइवेट स्कूलों से अच्छे अंक लेकर उत्तीर्ण हुए हैं।

कागजी खानापूर्ति सिद्ध होगा अपर मुख्य सचिव का औचक निरीक्षण

नियमों की अनदेखी कर रहा स्वास्थ्य विभाग

सरकार का सबसे महत्वपूर्ण विभाग स्वास्थ्य विभाग होता है जो मानव जीवन से संबंधित है स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर सरकार प्रतिबद्ध है लेकिन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी सरकार के मंसूबों पर पानी फेरने पर तुले हुए अधिकारियों द्वारा अपनी वाहवाही के चक्कर मे नियमों को भी धता दिखा जा रहा है।

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर।

विगत दिवस अपर मुख्य सचिव द्वारा जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को प्रदान करने का लक्ष्य तथा निर्देश भी दिए गए। वही स्वास्थ्य विभाग में धड़ल्ले से नियमों को दरकिनार कर मनमर्जी का कार्य जारी है। जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा प्रभार देने के पूर्व विचार भी नही किया जा रहा है। ऐसा भी प्रतीत हो रहा है। सबसे बड़ी लापरवाही यह भी सामने आई कि नियमित कर्मचारियों के प्रभार भी आउटसोर्स के कर्मचारियों को दिए जा रहे है।

नियम विरूद्ध सौंप जा रहे प्रभार

स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा नियमों को दरकिनार कर विभाग का संचालन किया जा रहा है। विभाग मे जिम्मेदार अधिकारियों की मनमर्जी प्रचुर मात्रा में जारी है जिस पर लगाम लगती हुई नजर नही आ रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा विभागीय प्रभार सौंपने मे नियमों को पूरी तरह धता दिखाया गया है। जबकि नियमानुसार नियमित कर्मचारी को विभागीय प्रभार सौंपा जा सकता है। लेकिन अधिकारी द्वारा नियमों को दरकिनार करते हुए उस कर्मचारी को प्रभार सौंपा गया जो स्वयं नियमित नही है। ऐसे मे विभाग की गोपनीयता पर भी सवाल उत्पन्न होता है। आउटसोर्स या किसी सामाजिक संस्था के माध्यम से पदस्थ कर्मचारी को प्रभार नही दिया जा सकता है। लेकिन स्वास्थ्य विभाग में सब संभव है। ऐसे मे लोगों द्वारा कहा जा रहा है कि स्वास्थ्य विभाग अधिकारियों की मनमर्जी के अनुरूप चल रहा है।

ऐसे कई हो चुके निरीक्षण

जिला चिकित्सालय में ऐसे कई निरीक्षण हो चुके कई अधिकारी नेता मंत्री निरीक्षण कर चुके है और निर्देश भी दे चुके लेकिन जिला चिकित्सालय की स्वास्थ्य सेवाओं में कोई सुधार नही हो सका है। जब भी कोई उच्च अधिकारी या नेता, मंत्री निरीक्षण करता है तो लोगों मे आस जाग जाती है कि व्यवस्थाओं मे कुछ सुधार होगा परन्तु ऐसा बिल्कुल भी नही होता है। गत दिवस ही अपर मुख्य सचिव द्वारा कलेक्टर के साथ निरीक्षण किया गया और स्वास्थ्य सेवाएं प्राथमिकता के साथ देने की बात कही परन्तु नियमों का पालन करने का कोई जिक्र भी नही हुआ वही दूसरी तरफ जिम्मेदार अधिकारी नियमों को धता दिखा कर जिले मे अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं देने की बात कह रहे है प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी व सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी बनती है कि नियमो का पालन कराया जाए।

निरीक्षण मे केवल स्वास्थ्य सेवाओं निर्देश

अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने शनिवार को जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा, प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. राहुल नेमा, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. जी.सी. चौरसिया, डॉ. जी.पी. भनारिया सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। अपर मुख्य सचिव वर्णवाल ने अस्पताल में पेयजल, कूलर एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल में साफ-सफाई की व्यवस्थाएं देखी। स्टोर रूम मदर रेस्ट रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने पैथोलॉजी लैब का निरीक्षण कर ओपीडी व्यवस्थाओं की जानकारी ली और जांच सेवाओं की गुणवत्ता के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की गई। अपर मुख्य सचिव श्री वर्णवाल ने मेटनिटी वार्ड, ब्लड बैंक एवं ओएसटी केंद्र सहित विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया तथा मरीजों से स्वास्थ्य के संबंध में चर्चा कर अस्पताल की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिला चिकित्सालय में मरीजों का बेहतर उपचार कराना सुनिश्चित करें।

इनका कहना है

उक्त संबंध मे आपके द्वारा जानकारी दी गई है मै जिम्मेदार अधिकारी से चर्चा करूंगा कि किस नियम के अनुरूप प्रभार सौंपा गया है।

रामस्नेही पाठक, जिला अध्यक्ष भाजपा

विभाग प्रभार केवल नियमित कर्मचारियों को दिया जा सकता है। किसी भी सामाजिक संस्था के कर्मचारी को प्रभार देना नियम विरूद्ध है। मै इस संबंध मे जिम्मेदार अधिकारियों को बात करूंगा।

डा. अनंत दुबे, अध्यक्ष रेडक्रॉस सोसायटी

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस पुरुषोत्तम मास के पावन और दुर्लभ अवसर पर, विश्व शांति एवं जन-कल्याण की मंगल भावना को लेकर समस्त मातृशक्ति संगठन के सयुंक्त तत्वावधान में सात दिवसीय भव्य श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य शुभारंभ हो गया। नगर के इतिहास में संभवतः यह पहला ऐसा अवसर है जब समूचे महिला संगठनों ने एकजुट होकर इतने विशाल आध्यात्मिक अनुष्ठान की कमान अपने हाथों में ली है। कथा के प्रथम दिन शाम को बरिया वाले हनुमान मंदिर से भव्य एवं दिव्य मंगल कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ। पारंपरिक वेशभूषा (पीले और केसरिया परिधानों) में सजी सैकड़ों मातृशक्तियां सिर पर पवित्र कलश धारण कर जब कतारबद्ध होकर निकलीं, तो ऐसा प्रतीत हुआ मानो नरसिंहपुर की सड़कों पर भक्ति की साक्षात गंगा उतर आई हो। कलश यात्रा में आगे-आगे चल रहे बैंड-बाजे और ढोल-ताशों की थाप पर श्रद्धालु झूमते और नाचते नजर आए। पूरे मार्ग में भगवान श्रीकृष्ण और पवनपुत्र हनुमान के जयकारों से वातावरण गुंजायमान रहा। कलश यात्रा नगर के मुख्य मार्गों से भ्रमण करते हुए अपनी पूर्ण भव्यता के साथ कथा स्थल तुलसी मानस भवन (सदर मढिया) पहुँची। यहाँ आयोजन समिति की प्रमुख मातृशक्तियों द्वारा अत्यंत आदर और विधि-विधान के साथ श्रीमद्भागवत महापुराण की पोथी जी को व्यास पीठ पर स्थापित किया गया। इसके पश्चात मुख्य यजमानों एवं उपस्थित प्रबुद्ध जनों द्वारा व्यास पीठ का पूजन कर सुप्रसिद्ध कथा वाचक श्रद्धेय पंडित संतोष रामशंकर जी महाराज का माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया गया।

27 पेटी अवैध देशी शराब जप्त, दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस थाना करेली पुलिस विश्वसनीय सूत्रों जानकारी प्राप्त हुई कि बड़ी मात्रा में अवैध शराब जप्त की जा रही है कि एक स्विफ्ट कार क्रमांक एमपी 20 एक्स बी 2757 में करेली की ओर अवैध शराब परिवहन की जा रही है। पुलिस टीम द्वारा करेली बायपास रोड़ स्थित इमलिया पुल के पास उक्त वाहन को रोकने में सफलता प्राप्त हुयी। पुलिस की सतर्कता से 27 पेटी अवैध देशी शराब की खेप पकड़ी गई। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें 27 कार्टून अवैध देशी मदिरा बरामद हुई, जिसमें 17 कार्टून देशी मदिरा मसाला एवं 10 कार्टून देशी मदिरा प्लेन पाई गई। कुल 1350 पाव (243 बल्क लीटर) शराब, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 1,40,000 है, जप्त की गई। मौके से वाहन चालक डेलन मल्लाह उम्र 26 वर्ष निवासी राम पिपरिया, थाना कोतवाली नरसिंहपुर एवं मुजम्मिल उसमानी उम्र 19 वर्ष निवासी मुशरान वन, महाजनी वार्ड नरसिंहपुर को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन, नगदी राशि तथा शराब परिवहन में प्रयुक्त स्विफ्ट कार (कीमत लगभग 7 लाख) भी जप्त की गई।

तम्बाकू निषेध दिवस पर गायत्री परिवार ने निकाली रैली

तेंदूखेड़ा

विगत रविवार 31मई तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर शांति कुंज हरिद्वार के द्वारा मिले मार्गदर्शन में गायत्री परिवार तहसील तेंदूखेड़ा द्वारा समीपी ग्राम गुटोरी में गायत्री परिवार के पदाधिकारियों और तहसील सदस्यों ने ग्राम के मुख्य मार्गों से एक व्यसन मुक्त रैली निकाली और व्यसनों से दूर रहने के लिए गांव में जन जागरण किया। तथा सभी ने सामुहिक रुप से शपथ ली अपने परिवार गांव में नशा नहीं करने देंगे। गायत्री परिजनों ने स्पष्ट किया कि नशा करने वाले व्यक्तियों का जहां शरीर बर्बाद हो जाता है वहीं परिवार में कलह लड़ाई झगड़े बनें रहते हैं।धन की बर्बादी से कई परिवार बर्बाद हो चुके हैं।जमीन जायदाद गिरवी रखने बिकने के कारण परिवार के भरण पोषण के लाले पड़े हुए हैं।व्यसन मुक्त समाज निर्माण की दिशा में गायत्री परिवार लगातार विभिन्न अभियानों के माध्यम से कार्यक्रम चला रहा है। जिसमें सभी वर्गों धर्मों के लोगों को आगे आना चाहिए। सभी को संकल्प लेना चाहिए कि व्यसन मुक्त समाज का निर्माण मिलकर करेंगे।

बालिका छात्रावास खोलने की मांग पर शासन प्रशासन मौन

तेंदूखेडा

शिक्षा को लेकर दिनों दिन छात्राओं की बढ़ती संख्या और प्रतिदिन आवागमन की समस्या को देखते हुए तीन जिलों की सीमाओं पर स्थित तेंदूखेडा में बालिका छात्रावास खोलने की मांग काफी लंबे समय से चली आ रही है। इसके बावजूद भी शासन प्रशासन द्वारा अभी तक इस दिशा में कोई उचित पहल नहीं की है।यदि पिछले आंकड़े उठाकर देखें तो तेंदूखेडा में आसपास ग्रामीण क्षेत्रों से लगभग तीन सौ से चार सौ छात्रायें हायर सेकंडरी स्कूल और उच्च शिक्षा ग्रहण करने 10 से 25 किमी दूर बाहर से आकर शिक्षा ग्रहण किया करती है । एक परिसर शाला के हिसाब से यहां पर कक्षा छठवीं से बारहवीं तक एक हजार के लगभग छात्राएं शामिल हैं। विगत वर्ष का आंकड़ा उठाकर देखें तो इनमें मिडिल स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। जिनमें पिछड़ा वर्ग अनुसूचित जाति वर्ग और अनुसूचित जनजाति वर्ग की छात्रायें है। पिछले वर्ष के आंकड़े उठाकर देखें तो कक्षा छठवीं से बारहवीं तक पिछड़ा वर्ग में 474 छात्राएं अनुसूचित जाति में 160 और जन जाति में 118 छात्राएं अध्ययन किया करती थीं। शासकीय महाविद्यालय में पिछड़ा वर्ग में 112 छात्राएं अनुसूचित जाति की 35 और जनजाति वर्ग की 27 छात्राएं अध्ययन करने आती हैं। जो बाहर से आना जाना किया करतीं हैं। चूंकि इस आंकड़े में अशासकीय विद्यालयों की संख्या शामिल नहीं।इन स्कूलों में सैकड़ों छात्राएं अध्ययन किया करती है।

स्कूल का समय मिलाने बसों का करना पड़ता है इंतजार

सुबह स्कूल और कालेज मिलाने से लेकर टाइमिंग यात्री बसों को मिलाने के लिए इन छात्राओं को अपनी दैनिक सभी गतिविधियों से निवृत्त होकर आना फिर वापस लौटना फिर बसों में उन सभी परस्थितियों का सामना करना जो सफर के दौरान देखने मिला करतीं हैं । इतना ही नहीं तेंदूखेड़ा के बस स्टैंड से इन छात्राओं को एक से डेढ़ किमी दूर पैदल जाना पड़ता है। और वापस लौट कर आना पड़ता है।छुट्टी के बाद शाम को वापस जाने के बाद छात्रायें प्रायः थक जाती है। और सर्दियों के दिनों में ज्यादा परेशानी हुआ करती है।इन सभी झंझावतों से बचने के लिए तहसील मुख्यालय तेंदूखेडा में शासकीय प्री मैट्रिक हरिजन आदवासी पिछडा वर्ग छात्रावास की महती आवश्यकता है। जिसमें छात्राओं को यहाँ रहने के लिए व्यवस्था बन सके इस व्यवस्था से जहाँ प्रतिदिन आने जाने की समस्या से छुटकारा मिल सकेगा वहीं पालक वर्ग की समस्या भी खत्म होने के साथ चिंता भी मिट जायेगी। इस विषय को काफी लंबे समय से क्षेत्रीय लोगो द्वारा मांग भी रखी जा रही है लेकिन अभी तक निराकरण ना हो पाना सोचनीय विषय बना हुआ है। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों द्वारा पूर्व में प्रयास तो किये थे लेकिन आज तक सफलता नहीं मिल सकी है। तेंदूखेड़ा और आस पास ग्रामीण क्षेत्रों के पिछड़ा वर्ग अनुसूचित जाति जनजाति वर्ग के पालक अपनी बालिकाओं को पढ़ाने के लिए तेंदूखेड़ा में एक शासकीय बालिका छात्रावास की मांग करतें हैं।

उन्नत कृषि, बागवानी, जल संरक्षण पर प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन

मन की बात में युवा प्रगतिशील कृषकों के साथ शिक्षा मंत्री

करेली।

मध्य प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने रविवार सुबह मंगलम कॉम्प्लेक्स गृह ग्राम लोलरी में क्षेत्र के प्रगतिशील युवा कृषकों, जो उच्च शिक्षा ग्रहण करने के बाद कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य व नवाचार कर रहे हैं, ऐसे सभी युवा प्रगतिशील कृषकों के साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के ₹मन की बात₹ कार्यक्रम को सुना एवं उन्नत कृषि, बागवानी, खिलाड़ियों के उत्साह वर्धन और जल संरक्षण सहित अनेक संदर्भ में माननीय प्रधानमंत्री जी से मार्गदर्शन प्राप्त किया। मन की बात कार्यक्रम के उपरांत मंत्री श्री राव ने उपस्थित सभी युवा कृषकों से उन्नत कृषि को लेकर चर्चा की व सभी का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक भैयाराम पटेल, पूर्व जिला अध्यक्ष अभिलाष मिश्रा, तेंदूखेड़ा नपाध्यक्ष विष्णु शर्मा, नवीन अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, अरुण शर्मा, पूर्व जिला महामंत्री ठा राजीव सिंह, डॉ हरगोविंद पटेल, नंदकिशोर ठाकुर, उदय सिंह ठाकुर, मंडल अध्यक्ष बृजेंद्र पटेल, शैलेंद्र शर्मा, महेंद्र पटेल, शिवदयाल खैरोनिया, मनोज शर्मा, रूपम विश्वकर्मा, रामनारायण सोनी सहित अनेक गणमान्य जनों, कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।